कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर लेखन (Mains Answer Sheet)

15

Name - Hema Pararste

Mains Test Series 2019

Paper - I Date - 15/1/2021

Contact No. - 7869482826

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

A
- गोंडवाना होरा के शासन
- म. प्र० की प्रमुख वीरांगना
- बरेला में समाधि स्थल

2.0

B
- आधुनिक साहित्यकार
- रचना - गांधी पंचशती, गीत फरोश, चकित है दुख आदि
- शिखर सम्मान से सम्मानित

1

C
- प्राचीन साहित्यकार
- भूषण उपाधि प्राप्त
- भूषण उल्लास, भूषण हजारा, छत्रसाल दशक रचना

2

D
- बड़वानी स्वतंत्रता सेनानी
- निमाड़ का रॉबिनहुड से प्रसिद्ध
- म०प्र० के 1857 व आदिवासी विद्रोह में हिस्सा

2

E
- निमाड़ स्वतंत्रता सेनानी
- जन्म सांगली (निमाड़)
- 1857 व आदिवासी विद्रोह म.प्र. में शामिल

2

K
- आल्हाखंड के रचनाकार
- परिमल देव के कवि व योद्धा
- वीर गीतों का वर्णन

2

N
- उत्तरी महाकौशल जिले कहलाते थे।
- स्टेट-अ का हिस्सा व नागपुर डिवीजन सेंट्रल प्रोविंस

0

O H I L M P

O
- मालवा लोक चित्रकला में प्रचलित
- 'चितेरे' जाति द्वारा निर्मित चित्रित
- बाहरी दीवारों व मंदिरों में बनाये जाना

(2)

H
- खरगोन जिले में
- म.प्र. की पवित्र नगरी कहलाती
- प्राचीन मंदिर व घाट हेतु प्रसिद्ध

(2)

I
- प्रमुख ऐतिहासिक स्थल
- गयासुद्दीन खिलजी द्वारा निर्माण
- मांडू में स्थित

(2.5)

L
-
-
-

m
- म०प्र० के झंडा सत्याग्रही
- जबलपुर में सर्वप्रथम झंडा फहराया
- जन्म स्थल दमोह

(2)

23

P
- सितंबर 2017 में शुरुआत
- ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विद्युतीकरण
- केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित

(2)

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

1 (9)
- 8 फरवरी 2019 को शुभारंभ
- म०प्र० की विद्युत आधारित योजना
- निर्धन परिवार को सस्ते दाम पर बिजली मुहैया।

2 (c)
- म०प्र० के प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाओं में से प्रमुख।
- जिसका स्थापना 1982 में हुई
- प्रसिद्ध वास्तुकार चार्ल्स कोरिया ने डिजाइन किया था।
- इसके 6 भाग हैं - रूपांकर, वागर्थ, अनहद, अंतरंग व बहिरंग, छवि, आश्रम।
- ये विभिन्न पारंपरिक शास्त्रीय कलाओं के संरक्षण का मुख्य केंद्र है।
- जिसमें म्यूजियम ऑफ आर्ट, आर्ट गैलरी, ललित कला संग्रह, पुस्तकालय आदि शामिल हैं।
- प्रदर्शन कला व दृश्य कला का भी केंद्र रहा है।

2 (e)
- स्थानीय स्तर पर प्रसिद्ध होते हैं।
- अधिकांशतः महिलायें व कन्याओं द्वारा चित्रित किया जाता है।
- प्राकृतिक व चटक रंगों का प्रयोग विशेष होता है।
- विभिन्न त्यौहारों पर भिन्न भिन्न चित्रों का चित्रण।
- चित्रों में ज्यामितीय आकृतियां, पशु-पक्षियां, देवी देवताओं का चित्रण महत्वपूर्ण।
- चित्रण में गेरू, खड़िया, चावल आटे आदि का प्रयोग

3.5

2

बनाए
करते हैं

प्रश्न संख्या

7 G
- इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय भारत का विशालतम मानव संग्रहालय है।
- जिसकी स्थापना 1977 को भोपाल में हुई थी।
- इसका नामकरण पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर
- जिसका प्रमुख उद्देश्य भारत विशेष में मानव व संस्कृति के विकास इतिहास को प्रदर्शित करना
- यहां आदिवासियों की जीवन शैली, आवास, खानपान संस्कृति आदि संबंधितों का संकलन है।
- इस संग्रहालय में पारंपरिक एवं प्रागैतिहासिक चिन्हित शैलाश्रय भी है।

(3)

8 F
म.प्र० के प्रमुख जैन स्थल निम्न है —

1) बावनगजा — बड़वानी जिले में स्थित
- 15वीं शताब्दी 72 फीट ऊंची ऋषभदेव की मूर्ति

2) मुक्तागिरि — बैतूल जिले में स्थित
- दिगम्बर जैनियों का पवित्र तीर्थ स्थल
- 52 मंदिर है।

3) पावागिरि — इंदौर जिले में स्थित
- 99 जैन मंदिरों के कारण 'ऊन' कहा गया
- प्रसिद्ध तीर्थ स्थल

4) पुष्पगिरि — देवास जिले में स्थित
- प्रमुख तीर्थ स्थल
- शिक्षा संस्थान है

(4)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या | मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

2 J साँची का स्तूप म.प्र. का प्रमुख विश्व धरोहर सूची स्थल मे शामिल है जिसका महत्व निम्नलिखित है –
- बौद्ध धर्म का प्रमुख तीर्थ स्थल व दार्शनिक स्थल है।
- भगवान बुद्ध की अस्थियां संरक्षित हैं।
- अनेक स्तूपों में सबसे बड़ा व पुराना स्तूप है जिसे महास्तूप या द ग्रेट स्तूप कहते हैं।
- जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया
- बुद्ध के जीवन काल को जातकावली चित्रण के माध्यम से अलंकृत किया है।
- बुद्ध की मानव रूप छवि ही नहीं बल्कि जीवजंतुओं के साथ सौहार्द भरा संबंध बताया गया है।

2 K – बुंदेला वंश के प्रसिद्ध शासक राजा छत्रसाल था।
- बुंदेलखंड में राज्य विस्तार था।
- औरंगजेब से युद्ध में विजयी होने पर बुंदेलखंड केसरी नाम से प्रसिद्ध व महाराजा पदवी प्राप्त की
- इनका जन्म 4 मई 1649 ई. टीकमगढ़ में हुआ था
- छतरपुर नगर को बसाया म.प्र. था।
- वे कलाप्रेमी, कवि व आध्यात्मिक थे।
- वासिया युद्ध के मुगलों ने 'राजा' की मान्यता दी।
इस प्रकार कहा जा सकता है कि राजा छत्रसाल म.प्र. के महान शासक थे।

कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

4

- म०प्र० के खण्डवा जिले में पंजाब मेल हत्याकांड घटित हुआ।
- यह घटना 23-24 जुलाई 1931 को वीर यशवंत सिंह देवनारायण तिवारी व दलपत राव ने खंडवा रेल्वे स्टेशन पर हैवसल की हत्या कर दी थी।
- यहां 11 दिसंबर 1931 को खण्डवा अदालत ने यशवंत सिंह व देवनारायण को फांसी व दलपत को कालां पानी की सजा दी गई।
- यह घटना प्रदेश के राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान घटित महत्वपूर्ण घटना रही है।

3

7

म.प्र. के प्रमुख प्राकृतिक स्थल निम्न हैं —

1) पचमढ़ी — होशंगाबाद जिले में अवस्थित
- पांच गुफाओं से बनी
- सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

2) भेड़ाघाट — जबलपुर जिले में स्थित
- नर्मदा नदी पर जलप्रपात बनाती है

3) चचाई जलप्रपात — रीवा जिले में स्थित
- 130 मी ऊंचा झरना बनाती है।

4) बांधवगढ़ — उमरिया जिले में स्थित
- 1968 में राष्ट्रीय उद्यान बना
- सफेद शेरों के लिए प्रसिद्ध

3.5

प्रश्न संख्या

2 D शास्त्रीय संगीत में तानसेन को संगीत सम्राट कहा गया है। जिनका योगदान अति महत्वपूर्ण रहा है क्योंकि वे।
- ध्रुपद शैली के विख्यात गायक थे।
- दीपक राग, भैरव राग गाने में निपुणता प्राप्त थी।
- ध्रुपद ग्रंथों की रचना जैसे- संगीत सार और संगीत राग माला।
- दरबारी तोड़ी, मियां की मल्हार, दरबारी कान्हड़ा, मियां की सारंग प्रसिद्ध दरबारी राग का गायन
- प्रमुख वाद्य यंत्र वीणा व रबाब का आविष्कार किया।

इस प्रकार ज्ञात होता है कि तानसेन का शास्त्रीय संगीत में अति विशेष स्थान है।

(4)

2 B म.प्र. की वास्तुकला में मुगलकला, गुप्तकला आदि का प्रभाव देखने को मिलता है जो निम्नवत है -
1) मुगलकला - तानसेन का मकबरा, मोहम्मद गौस मकबरा, कोरक महल।
2) अफगान कला - होशंगशाह मकबरा
3) सल्तनतकालीन कला - जहाज महल, अशर्फी महल,
4) परमारकालीन कला - कमलापति पैलेस
5) मालवाकला - हिंडोला महल
6) बुंदेलीकला - सतखंडा महल, खजुराहो मंदिर आदि।

उपरोक्त सभी म.प्र. के वास्तुकला में विशिष्ट प्रभाव डालते हैं।

(3.5)

3 A

3 A

1857 के स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में म० प्र० के आदिवासी नेताओं ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया है। जिनकी भूमिका निम्नवत् है

1) भीमा नायक
- प्रदेश के बड़वानी जिले के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी
- 1857 क्रांति की चेतना को जागृत करने वाले प्रमुख व्यक्ति रहे।
- जिन्होंने 1857 की क्रांति को निमाड़ क्षेत्र में प्रसारित किया।
- निमाड़ व खानदेश (महाराष्ट्र) में अंग्रेजों के ठिकानों को नष्ट किया।
- कालापानी में 1876 को फांसी की सजा दी गई

2) खाज्या नायक
- निमाड़ क्षेत्र के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी रहे।
- निमाड़ में आदिवासियों में क्रांति का नेतृत्व किया व प्रसार किया।
- उन्होंने भीलों की सेना गठित कर सेंधवा में अंग्रेजों के साथ युद्ध किया।
- 1858 में खाज्या नायक की हत्या हो गई।

3) टंट्या भील
- आदिवासी नायक एवं निमाड़ का गौरव कहा गया है।
- ब्रिटिशों के आदिवासियों के साथ होने वाले शोषण व अन्याय के विरुद्ध विरोध किया

आदत म सं. 1 संरक्षण
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

- 1857 में गुरिल्ला युद्ध पद्धति से अंग्रेजों के साथ युद्ध किया।
- अंग्रेजों द्वारा 'इंडियन रॉबिनहुड' की उपाधि दी गई
- 1889 में राजद्रोह का मुकदमा चलाकर फांसी दी गई।

उपरोक्त बिंदुओं से ज्ञात होता है कि प्रदेश में 1857 क्रांति में भी आदिवासियों ने भी अपना अहम योगदान दिया जो स्वतंत्रता के लिए बेहद अमूल्य है।

4

उत्तर कौ पूर्ण

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार..

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या: 3 E

म० प्र० पर्यटन की दृष्टि से समृद्धशाली राज्य है। जहाँ अनेक ऐतिहासिक, प्राकृतिक, धार्मिक आदि स्थल है। जो निम्नवत है –

म० प्र० के प्रमुख ऐतिहासिक स्थल

1) ग्वालियर दुर्ग

- इसका निर्माण राजा सूरजसेन ने करवाया था।
- इसे पूर्व का जिब्राल्टर व किलों का रत्न कहा जाता है।
- ये लाल बलुआ पत्थरों से निर्माण कराया गया।
- जहाँ चतुर्भुज मंदिर, मानसिंह पैलेस, गूजरी महल, सास-बहू का मंदिर, आदि स्मारके है।

2) मण्डला का किला

- मण्डला जिले में अवस्थित है।
- इसका निर्माण 16 शताब्दी में राजा नरेन्द्र शाह ने कराया था।
- यहाँ राज्य राजेश्वरी की स्थापना निजाम शाह ने करवाई थी।

सफलता का प्रवेश द्वार..

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

ii) पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा दिया जायेगा।

iii) पीपीपी आधारित पर्यटन योजनाओं के विकास पर जोर दिया जायेगा।

iv) राज्य पर्यटन विकास निगम कम लागत पर निर्माण करने वाली इकाईयों को लीज पर निर्माण स्रोत को देना।

v) पर्यटन परियोजनाओं में मनोरंजन के साधनों पर मनोरंजन कर नहीं लगेगा।

म०प्र० को राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर पर्यटन पुरस्कार प्रतिवर्ष प्राप्त हुए हैं। भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय द्वारा 2018 में म०प्र० को 10 पर्यटन पुरस्कार प्रदान किये गये साथ ही पहली बार 'हाल ऑफ फेम' का अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ है। जिससे ज्ञात होता है कि म०प्र० सरकार लगातार पर्यटन विकास की ओर बढ़ रही है।

4

8

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार..

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

3 B

म० प्र० का गठन नये प्रदेश के रूप में 01 नवंबर 1956 को हुआ था। यह चार हिन्दी भाषी राज्यों के सम्मिलन का फल था। ये क्षेत्र थे जिनमें हिंदी भाषा जिले महाकौशल, मध्यभारत, विंध्यप्रदेश तथा भोपाल साथ ही राजस्थान के कोटा जिले का सिरोंज को शामिल किया गया था।

गठन से पूर्व तीन भाग में विभक्त था जिसमें ब्रिटिश प्रांत स्टेट-A, मध्यभारत प्रांत स्टेट-B, एवं विंध्यप्रदेश स्टेट स्टेट-C।

29 दिसंबर 1953 को फज़ल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग गठित किया। इसके सदस्य पं० हृदयनाथ कुंजरू व सरदार के०एम० पाणिक्कर थे। जिनकी अनुशंसा पर 01 नवंबर 1956 को नए राज्य म० प्र० का गठन किया गया। जिसका नामकरण पं० जवाहर लाल नेहरू ने किया था।

गठन के दौरान कुल 43 जिले थे। 26 जनवरी 1972 को भोपाल व राजनांदगांव दो नए जिले बनाये गये। इसके बाद 1998 में वी० आर० दुबे की अध्यक्षता में गठित जिला पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा पर 10 नए जिले बने। विवादस्पद स्थिति में सिंह देव समिति की अनुशंसा पर 6 नए जिले बनकर

कुल 61 जिले बन गये थे।

01 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ नए प्रदेश के रूप में गठित हुआ। जिसमें म०प्र० के 16 जिलों को सम्मिलित किया। जो आज के समय में 52 जिले व 10 संभाग है।

राज्य पुनर्गठन आयोग द्वारा राज्य सीमा में निम्नलिखित परिवर्तन हुये जो निम्न हैं-

i) बुलढाना, अकोला, अमरावती, वर्धा, नागपुर, भंडारा, चांदा जिलो को मुंबई में शामिल किया गया

ii) मंदसौर जिले की भानपुर तहसील के अलावा पार्ट-सी का राज्य म०प्र० का भाग बनाया गया।

iii) भोपाल राज्य म०प्र० में मिला दिया गया।

iv) पार्ट-सी के विंध्यप्रदेश को म०प्र० में मिलाया गया।

v) राजस्थान राज्य की सिरोंज तहसील को म०प्र० के विदिशा जिले में सम्मिलित किया गया

उपरोक्त विवेचन से ज्ञात होता है कि म०प्र० का गठन व पुनर्गठन प्रक्रिया लंबी रही जिसमें आयोग के अनुशंसा परिणामस्वरूप छ०ग व म.प्र. का निर्माण हुआ।

6.5

Part- B

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

A
एग्रो कॉम्पलेक्स - छिंदवाड़ा
चमड़ा कॉम्पलेक्स - देवास
इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पलेक्स - इंदौर
(3)

B
उत्तरी अक्षांश - 20°17' से 25°8' तक
पूर्वी देशांतर - 74°17' से 79°20' तक
(1.5)

C
- म०प्र० की विशेष जनजातीय समूह।
- 3 जनजातियाँ भारिया, सहरिया, बैगा।
- मुख्यतः जबलपुर व छिंदवाड़ा में पाये जाते हैं। पातालकोट
(2)

D
- अत्यधिक वर्षा
- परतदार अपरदन द्वारा खड्डों का निर्माण
- बाढ़कृत मैदान क्षेत्र
(2)

E
माही नदी का उद्गम धार जिले के सरदारपुर कस्बे से हुआ। जिसकी लंबाई 583 कि.मी. है।
(3)

G
- सोन नदी पर शहडोल जिले में स्थित।
- म०प्र०, उ०प्र० व बिहार की संयुक्त परियोजना।
- प्रमुख नदी घाटी परियोजना है।
(2)

H
- बीहड नदी पर निर्मित
- रीवा जिले में स्थित
- 130मी ऊंचाई प्रदेश का सबसे ऊंचा झरना।
(3)

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

I – सोनमुपिला श्रेणी, मध्य सतपुड़ा श्रेणी, मैकल श्रेणी

J – प्रमुख तांबा उत्पादक क्षेत्र – बालाघाट, जबलपुर, सागर।

K – कटनी, मैहर, मैहर सीमेंट फाइबर्स।

N – छत्तीसगढ़ी मैदानी क्षेत्र, छत्तीसगढ़ी पठारी उत्तरी क्षेत्र, कैमूर व सतपुड़ा क्षेत्र, विंध्य पठार क्षेत्र, मध्य नर्मदा घाटी प्रदेश, मध्य क्षेत्र, बुंदेलखंड क्षेत्र, सतपुड़ा क्षेत्र, मालवा पठार, निमाड़ी मैदान व झाबुआ पर्वतीय

2 A – म० प्र० की प्रमुख फसलों के आधार पर कृषि क्षेत्र निम्न हैं –

1) ज्वार क्षेत्र – गुना, शिवपुरी, श्योपुर, प० मुरैना।
2) गेहूं – ज्वार क्षेत्र – बुंदेलखंड पठार व मालवा के मध्य।
3) कपास – गेहूं क्षेत्र – उज्जैन, देवास, सीहोर, मंदसौर आदि।
4) कपास क्षेत्र – खरगोन, रतलाम, धार, बड़वानी, झाबुआ
5) चावल – कपास क्षेत्र – खण्डवा
6) चावल, कपास व ज्वार क्षेत्र – बैतूल, छिंदवाड़ा व सिवनी
7) चावल क्षेत्र – शहडोल, मंडला, बालाघाट, सिवनी, सीधी, जबलपुर।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत भर में। अग्रवाल
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

3 (ब) कृषि आधारित उद्योग म०प्र० में निम्नवत है -

1) चीनी उद्योग
- कच्चे माल के रूप में गन्ना प्रमुख है।
- प्रमुख उद्योग जिले है भोपाल, डबरा, दालौदा, जावरा शुगर मिल्स।

2) सूती वस्त्र उद्योग
- कपास कच्चे माल के रूप में प्रयोग।
- इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन प्रमुख जिले है।

3) रेशम उद्योग
- प्राकृतिक रेशम का प्रयोग करने माल में।
- वस्त्र बनाने में व अन्य
- प्रमुख रेशम उत्पादक मण्डला जिला।

(3)

2 M म०प्र० उद्योग संवर्द्धन नीति, 2010 के प्रमुख प्रावधान निम्न है -
- एग्रो व फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, पर्यटन आदि को महत्वपूर्ण क्षेत्र में रखा गया है।
- ट्रायफेड के सुचारु संचालन में ब्लॉक व्यवस्था।
- सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों हेतु 'स' श्रेणी प्रदान।
- ऑटोमोबाइल उद्योगों हेतु विशेष पैकेज का प्रावधान
- नयी टेक्सटाइल इकाइयों को पूंजी निवेश पर कर से छूट प्रदान।
- निजी क्षेत्र के औद्योगिक पार्क व हाईटेक पार्क के लिए विशेष सहायता आदि।

(3)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का सवेरा द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2 J

- जनता को शासन द्वारा लोक सेवाओं से संबंधित सेवायें निश्चित समय सीमा के भीतर प्रदाय।
- सेवा प्रदाय प्रणालियों को जनकेंद्रित, पारदर्शी, भ्रष्टाचार मुक्त करना।
- सेवाएं प्राप्त करना राज्य के प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार।
- तय समय सीमा पर सेवायें उपलब्ध न कराने पर प्रतिदिन 250 से 5000 रु. तक जुर्माना पदाभिहित अधिकारी को होगा।
- इस अधिनियम के तहत लोक सेवा केंद्र की स्थापना सभी जिलों में की गई है।
- पदाभिहित अधिकारी धारा-3 अधीन निश्चित समय सीमा के भीतर सेवा प्रदाय हेतु बाध्य होगा।

2 K

1) राजनीतिक कारण - राजनीतिक पहल का अभाव
2) प्रशासनिक कारण - प्रशासन में शिथिलता, धीमी प्रक्रिया
3) आर्थिक कारण - असंतुलित क्षेत्रीय विकास, पूंजी अभाव
4) प्राकृतिक कारण - सघन वनक्षेत्रों का होना आदि।

औद्योगिक विकास हेतु उपाय

i) योजनाएं - निवेश प्रोत्साहन योजना, उद्योग मित्र योजना
ii) राज्य उद्योग निगम, औद्योगिक विकास निगम व अन्य आदि संस्थाओं की स्थापना।
iii) राज्य वित्तीय निगम द्वारा वित्त की सहायता करना।

उपरोक्त बिंदुओं से ज्ञात होता है कि म.प्र. आज भी औद्योगिक विकास की दौड़ में पीछे है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार..

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2 L

म०प्र० के अर्थव्यवस्था मे कृषि का महत्व निम्न है-

1) रोजगार - प्रदेश के 70% लोगों की आजीविका कृषि है।

2) उद्योग-धंधे - अधिकांश उद्योग कृषि आधारित है जिन्हे कच्चे माल की पूर्ति कृषि से होती है।

3) पशुपालन - कृषि का सहायक व्यवसाय जिससे जनसंख्या को आय के अन्य स्रोत प्राप्त है

4) लघु-कुटीर उद्योग - इन उद्योगों का विकास (कृषि) पर निर्भर करता है। जिनमें जूट उद्योग, वस्त्र उद्योग आदि है।

5) व्यापार - फलोत्पादन एवं वाणिज्यिक फसलों, व औषधियों का बड़े पैमाने पर व्यवसाय किया जाता है।

(4)

2 D

भोपाल गैस त्रासदी

- म०प्र० के भोपाल में 2-3 दिसंबर 1984 के दिन रासायनिक घटना घटित हुआ हुई।
- जिसमें मुख्य मिथाइल आइसो सायनेट नामक जहरीली गैस का रिसाव हुआ था।
- जिसके तात्कालिक व दीर्घकालिक प्रभाव हुये थे जैसे स्थ वातावरण दूषित होना, स्थायी रूप से श्वसन, चर्म रोग से ग्रसित हो गये।
- प्रबंधन के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम द्वारा स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हुई व अंतर्राष्ट्रीय स्तर जाँच की गई।
- राज्य सरकार द्वारा पीड़ितो को राहत राशि तुरंत दी गई।

(4)

3.5

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

म०प्र० के पड़ोसी राज्यों के सहयोग से स्थापित विभिन्न संयुक्त सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण किया गया है। जो इस प्रकार है

1) चंबल नदी घाटी परियोजना।
- यह म०प्र० तथा राजस्थान की संयुक्त परियोजना है।
- इसका शुभारंभ 1953-54 में हुआ था।
- यह चंबल नदी पर निर्मित है।
- जिससे विद्युत उत्पादन कुल 3.86 लाख कि[illegible] वाट होता है व 4.5 लाख हे० कृषि सिंचाई में वृद्धि हुई आदि।

2) माताटीला बांध परियोजना
- यह म०प्र० तथा उ०प्र० की संयुक्त परियोजना
- ये बेतवा नदी पर निर्मित है।
- जिसके म०प्र० के लगभग 1.16 लाख हे० व उ०प्र० 1.09 लाख हे० कृषि सिंचित हुआ है।
- सिंचाई हेतु अलग नहर परियोजनाएं हैं- दतिया नहर, दतिया बाहक नहर, भांडेर नहर, बराज नहर।

3) उर्मिल परियोजना।
- यह म०प्र० तथा उ०प्र० की संयुक्त परियोजना
- उर्मिल नदी पर निर्मित है।

- म०प्र० को 60% व उ०प्र० को 40% जल उपलब्ध होगा
- इसकी स्थापना 1978 को हुई थी।

4) बावनथड़ी परियोजना
- यह म०प्र० और महाराष्ट्र की संयुक्त परियोजना
- इसकी स्थापना 1975 को हुई थी।
- ये बावनथड़ी नदी पर निर्मित है।
- जिससे म.प्र० के 29412 हे० व महाराष्ट्र के 17537 हे० भूमि सिंचित हो सकेगी।

5) सरदार सरोवर परियोजना
- भारत की सबसे बड़ी जल संसाधन परियोजना
- म०प्र०, महाराष्ट्र, गुजरात व राजस्थान की संयुक्त परियोजना है।
- यो नर्मदा नदी पर निर्मित है।
- गुजरात, राजस्थान व महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित क्षेत्रों को सिंचाई हो सकेगी।
- पेयजल, विद्युत आपूर्ति भी हो सकेगी।

उपरोक्त विवेचन से ज्ञात होता है कि इन सभी परियोजनाओं से विभिन्न उद्देश्यों की प्राप्ति हो सकेगी। जिनमें पेयजल, सिंचाई, विद्युत आदि शामिल है। जो राज्यों के विकास को गति प्रदान करेंगी।

6

3 3

म०प्र० में सरकार द्वारा म०प्र० नगरपालिका अधिनियम 1994 पारित कर प्रदेश में त्रि स्तरीय निकाय की स्थापना की गई। जो संविधान के 74वें संशोधन द्वारा अपनाया गया है।

म०प्र० के त्रिस्तरीय निकाय

नगर पंचायत — नगर पालिका परिषद — नगर निगम

1) नगर पंचायत
- इसकी न्यूनतम जनसंख्या 5000 व अधिकतम 20,000 से होना माना गया है
- वर्तमान में कुल 264 नगर पंचायतें हैं।
- नगर पंचायत व उसके सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्ष है।
- प्रमुख अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी होता है
- संक्रमणशील क्षेत्र में नगर पंचायत स्थापना की व्यवस्था

2) नगरपालिका परिषद
- जिनकी न्यूनतम जनसंख्या 20,000 से अधिक व अधिकतम 1,00,000 तक होना माना गया है।
- सदस्य संख्याओं का निर्धारण राज्यसरकार द्वारा
- इनका कार्यकाल पांच वर्ष तक होता है।
- सदस्यों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष मानी गयी है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Main Answer Sheet)

भारत की नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी सफलता का प्रवेश द्वार

3) नगर निगम
- नगरीय निकाय शासन की शीर्षस्थ संस्था।
- जिसकी 1 लाख से अधिक जनसंख्या होती है
- सदस्यों की संख्या 40 से 70 के मध्य होती है
- निर्वाचन वयस्क मताधिकार द्वारा होती है।
- अध्यक्ष महापौर कहलाता है।
- वर्तमान में इसकी संख्या 16 है। आदि

प्रमुख समस्याएँ निम्न है -
- राजनीतिज्ञों का अनावश्यक हस्तक्षेप होना।
- निर्वाचित प्रतिनिधि निजी हित में व्यस्त होना
- जनता की उदासीनता आदि।

प्रभावी उपाय
- जनता शिक्षित हो
- स्थानीय व प्रशासनिक संस्थाओं में समन्वय होना
- राजनीतिज्ञ का हस्तक्षेप में रोक लगाना आदि।

उपरोक्त विवेचन आधार पर विदित है कि स्थानीय नगरीय प्रशासन हमारे प्रदेश के नगरीय नियोजन व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जो स्थानीय समस्याओं का समाधान कर जनता की परेशानियों का निवारण करने में सहयोग करती है।

6